

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

र्सं० 71]

नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 2, 1977/फाल्गुन 11, 1898

No. 71)

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 2, 1977/PHALGUNA 11, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सर्ज ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 2nd March 1977

G.S.R. 104(E).—In pursuance of rule 34 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Board of Excise and Customs hereby makes the following amendment in the notification of the Central Board of Excise and Customs No 27/77-CE, dated the 25th February, 1977, namely—

In the said notification, the following proviso shall be added at the end, namely --

"Provided that in the case of virginia variety of unmanufactured tobacco the validity of a transport certificate or sale note shall, if the transport is by means of a mechanised vehicle for the whole or a part of the distance, be for twelve hours from the time of issue."

[No. 33/77]

N. C. JAIN, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक तथा सीमा शुल्क बोर्ड

श्र विसूचना

केन्द्रीय उत्पाव-शुरुक

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1977

सां का कि 104(म्).—हेन्द्रीय उत्पाद-शृहक ग्रीर सीमा-शृहक बोर्ड, केन्द्रीय उत्पाद-शृहक नियम, 1944 के नियम 34 के श्रृत्सरण में, ग्रुपनी अधिसूचना सं 27/77=केन्द्रीय उत्पाद-शृहक, ता खि 25 फरवरी, 1977 में निम्नितिखित संशोधन और करता है, श्र्यात् —

उक्त अधिमुचना में, अन्त मे निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अयित् ---

"परन्तु प्रविनिर्मितं तम्बाकू की वर्जीनिया फिस्म की दशा में परिवहन प्रमाणपत्न या विक्रयपत्न की विधिमान्यता यदि परिवहन समस्त दूरी तक या उसके भाग तक यन्त्रीकृत यन्त्र द्वारा किया जाता है तो, परिवहन प्रमाणपत्न या विक्रय नोट जारी किए जाने के समय में बारह घटे होगी।"।

[4° 33/77]

नेमी चन्द जैन, भ्रवर सचिव।

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 2nd March 1977

G.S.R. 105(E).—In exercise of the powers conferred under rule 139 of the Central Excise Rules 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, Department of Revenue and Banking No. 293/76-Central Excises dated the 21st December 1976, namely—

In the said notification, for the provisos, the following shall be substituted, namely.—

Explanations-

- (1) In the case of flue-cured and air-cured varieties used in the manufacture of cigarettes the number of removals shall be computed only after the stage of re-drying.
- (2) The removal of tobacco from one warehouse to another warehouse for the purpose of afflxing "Agmark", special processing or treatment for which the first warehouse does not have the facilities, and the return of the same, if any, to the first warehouse or the removal of virginia variety of tobacco from a warehouse for inspection by buyers, and return of the same, if necessary to that warehouse, shall be excluded while computing the number of movements for the purpose of this notification."

[No. 34/77.]

राजस्य धौर बेंकिंग विभाग

(राजस्म पक्ष)

प्रधिसूचना

केन्द्रीय उत्पाद-शुहेक

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1977

सा॰का-िक 105 (फ).--केन्द्रीय सरकार, केनीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 139 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के राजस्व और बैनिय विभाग की अधिसूचना सं० 293/76-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 21 दिसम्बर, 1976 में निम्निक्खित और संशोधन करती हैं, अर्थात् :---

उक्त ग्रधिसूचना में परन्तुकों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, ग्रथीत् :---

''स्पद्धीकरण---

- (1) सिग्रेडों के विनिर्माण में प्रयुक्त धूम्न नाल संसाधित ग्रीर वायु संसाधित किस्मों की दशा में ग्रेपसरणों की सख्या की गणना केवल पुनः सुखाए जाने की स्थिति के पश्चात् की आएगी।
- (2) "एगमार्क" लगाने, जहां प्रथम भाण्डागार सुविधाएं न हों वहा विशेष संसाधन सरने अयवा प्रसंस्करण करने, के प्रयोजन के लिए सम्बाकू का एक भाण्डागार से दूसरे भाण्डागार में अपसरण तथा उसका प्रथम भाण्डागार को वापस निया जाना या केताओं द्वारा निरीक्षण के लिए तम्बाकू की वर्जीनिया किस्म का एक भाण्डागार से अपसरण और यदि आवश्यक हो तो उसका उसी भाण्डागार मे वापस किया जाना इस अधिसूचना के प्रयोजन के लिए अपसरणों की संख्या परिकलित करते समय गणना में नहीं लिया जाएगा।" ।

[सं० 34/77]

नैमी चन्द जैन, भवर सिच्छ ।